http://www.onlineBU.com

AF-2001

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

FOUNDATION COURSE

Paper - I

Hindi Language

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75
[*Minimum Pass Marks* : 26

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. (क) पल्लवन की परिभाषा लिखते हुए पल्लवन के महत्व एवं उपयोगिता को समझाइए। 8

अथवा

निम्नलिखित उक्तियों में से किसी **एक** का पल्लवन कीजिए :

(*i*) क्षमा वीरों का आभूषण है।

(*ii*) ईश्वर किसी विशेष जाति या धर्म का नहीं है।

http://www.onlineBU.com

(ख) पत्र के प्रकार लिखिए एवं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य को संबोधित करते हुए मासिक शुल्क से छूट के लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप लिखिए। 7

अथवा

अनुवाद से आप क्या समझते हैं? अनुवाद के उद्देश्य एवं आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्दों को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताएँ बताइए।

इकाई-II

2. (क) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए किन्हीं **पाँच** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5

(*i*) अपने पैरों पर खड़ा होना।

(*ii*) खून पसीना एक करना।

(*iii*) कमर कसना।

(*iv*) बाग बाग होना।

(*v*) जहाँ चाह वहाँ राह।

(*vi*) एक पंथ दो काज।

(*vii*) नाच न आवै आँगन टेढ़ा।

(*viii*) अधजल गगरी छलकत जाए।

अथवा

http://www.onlineBU.com

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** को शुद्ध कीजिए :

(*i*) श्री राम के अनेको नाम है।

(*ii*) वृक्षों पर कोयल कूक रही है।

(*iii*) महादेवी विद्वान महिला थी।

(*iv*) वे गुनगुने गरम पानी से स्नान करते हैं।

(*v*) इस काम में बड़ा लाभ है।

(*vi*) बच्चे इधर-उधर घूमते हुए दूर निकल गये।

(*vii*) वह प्रतिदिन प्रात:काल के समय टहलने जाता है।

(*viii*) वह दण्ड देने योग्य है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए : 5

(*i*) अमृत	(*ii*) पर्वत
(*iii*) सरस्वती	(*iv*) सिंह
(*v*) समुद्र	(*vi*) वृक्ष
(*vii*) चांद	(*viii*) आनंद

अथवा

http://www.onlineBU.com

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

(*i*) अनुराग	(*ii*) सभ्य
(*iii*) नूतन	(*iv*) सुलभ
(*v*) विजय	(*vi*) स्वार्थ
(*vii*) कवि	(*viii*) नेता

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए : 5

(*i*) इतिहास से संबंधित।

(*ii*) दूर की बात सोचने वाला।

(*iii*) जंगल की आग।

(*iv*) जो शरण में आया हो।

(*v*) जानने की इच्छा रखने वाला।

(*vi*) जिसका कोई शत्रु न हो।

(*vii*) जो श्रेष्ठ आचरण वाला।

(*viii*) युद्ध में स्थिर रहने वाला।

अथवा

http://www.onlineBU.com

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए :

(*i*) अंक	(*ii*) अलि
(*iii*) लाल	(*iv*) कल
(*v*) तीर	(*vi*) हार
(*vii*) कर	(*viii*) उत्तर

इकाई-III

3. (क) देवनागरी शब्द के नामकरण का आधार बताइए। 8

अथवा

देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ख) मानक भाषा का अर्थ बताते हुए मानक और अमानक में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 7

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** अमानक शब्दों के मानक रूप लिखिए :

(*i*) अगामी	(*ii*) ग्यान
(*iii*) उज्वल	(*iv*) सृष्टा
(*v*) गृहणी	(*vi*) निरिक्षण
(*vii*) पूज्यनीय	(*viii*) सन्यास
(*ix*) पंद्रा	(*x*) एकचालीस

http://www.onlineBU.com

इकाई-IV

4. (क) 'कम्प्यूटर' में हिन्दी के अनुप्रयोग पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 8

अथवा

जनसामान्य के लिए सूचना टेक्नोलॉजी का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** पदनामों के हिन्दी रूप लिखिए : 7

(*i*) Accountant

(*ii*) Editor

(*iii*) Governor

(*iv*) Producer

(*v*) Manager

(*vi*) Treasurer

(*vii*) Registrar

(*viii*) Judge

(*ix*) Surgeon

(*x*) Vice Chancellor

http://www.onlineBU.com

इकाई-V

5. (क) संक्षेपण से आप क्या समझते हैं? संक्षेपण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 8

(ख) निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए : 7

बुद्धि और सहज ज्ञान दोनों अलग अलग वस्तुएँ हैं या नहीं, इस विषय में पहले भी मतभेद था और आज भी मतभेद है। किन्तु सामान्यतः मनुष्य सृष्टि को दो दृष्टियों से देखने का आदी रहा है। एक दृष्टि बुद्धि की दृष्टि है जिससे विज्ञान का विकास हुआ है। दूसरी दृष्टि हृदय की है, जिसका सहारा संत, महात्मा, कवि और कलाकार लेते हैं। प्राचीन काल में द्रष्टा की उपाधि उन्हें दी जाती थी जो हृदयवादी होते थे, जो सत्य को समझते ही नहीं, देख भी लेते थे। किंतु अट्ठारहवीं सदी में विज्ञान के प्रारंभ के बाद बुद्धि प्रधान हो उठी और बुनियादी व्याख्या से ही मनुष्य को अधिक संतोष होने लगा।

विज्ञान की किरणों के सामने जब धर्म फीका पड़ने लगा, अंधविश्वास की परंपरा बिखरने लगी, तब धर्म और धार्मिक परंपरा का समर्थन करने के लिए भी सहज ज्ञात वाली परंपरा का साहारा लिया गया किंतु ज्ञान और बुद्धि

http://www.onlineBU.com

की स्थिति में अंतर है। बुद्धि से भूल इसलिए होती है कि उसका साधन तर्क है और तर्क भ्रामक हो सकता है किंतु सहज ज्ञान आलोकित मनोदशा में सत्य के रहस्य का उद्‌घाटन करता है और वस्तुओं को उनके खंडित रूपों में नहीं देखकर संपूर्णता में देखता है। बुद्धि गणक है, जो गणित के न्याय को सत्य समझना चाहती है। सहज वृत्ति स्वयं आँख है, वह गणना करके नहीं, वरन् क्षण मात्र में सत्य का पूरा स्वरूप देख लेती है।

———